चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक जागरण........

दिनांक 26.11.2020 .... पृष्ठ संख्या ....4.... कॉलम ....4-8....

कृषि संबंधित व्यवसाय की हर समस्या का समाधान एबिक

एबिक सेंटर में आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते विवि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व उपस्थित एबिक के अधिकारी व कर्मचारी। ● पीआरओ

प्रशिक्षण शुरू

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर में एग्री स्टार्टअप के लिए दो माह के प्रशिक्षण का शुभारंभ
- देशभर से चयनित एग्री स्टार्टअप ले रहे हैं प्रशिक्षण, सीखेंगे व्यवसाय बढ़ाने के गुर

जागरण संवाददाता, हिसार : कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनेस इंक्युबेशन केंद्र (एबिक) अहम भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार के तहत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर ले जाते हुए रोजगार सर्जन का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि एबिक कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने इनक्यूबेटी को मेहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने एबिक द्वारा आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम के लिए आयोजकों की सराहना की। एबिक केंद्र में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना- रफ्तार स्कीम के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एसके सहरावत ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर देश के युवाओं, किसानों और प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है।

49 प्रतिभागियों का चयन, 20 फीसद महिलाएं

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस प्रशिक्षण में देशभर के चयनित इंक्यूबिटी व एग्री स्टार्टअप्स ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षण ले रहे हैं। एबिक केंद्र द्वारा गत दिनों प्रदेश व आसपास के राज्यों के युवाओं, किसानों व उद्यमियों से पहल व सफल कार्यक्रम के तहत आवेदन मांगे गए थे जिसके तहत कुल 49 प्रतिभागियों का एक प्रक्रिया के तहत चयन किया गया था, जिसमें करीब 20 फीसद महिलाएं भी शामिल हैं। अब इन्हीं चयनित प्रतिभागियों को देशभर से मेंटर प्रशिक्षण देंगे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालक एवं बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु, सह-संचालक व सहायक मैनेजर शलेंद्र सिंह, एक्जीक्यूटिव राहुल दुहन, ट्विंकल मंगल, अर्पित तनेजा, मनीषा मणि भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 26.11.202 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 7-8

एबिक सेंटर में एग्री स्टार्टअप्स को दो माह के प्रशिक्षण का शुभारंभ

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनेस इंक्युबेशन केंद्र (एबिक) अहम भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। वे विवि स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार के तहत किया जा रहा है। एबिक केंद्र में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना- रफ्तार स्कीम के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि यह केंद्र पीएम के प्रत्येक व्यक्ति के स्वाभिमान व आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए एबिक द्वारा आयोजित किए जा रहे इस दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। इस प्रशिक्षण में देशभर के चयनित इंक्यूबिटी व एग्री स्टार्टअप्स ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालक एवं बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु, सह-संचालक व सहायक मैनेजर शलेंद्र सिंह, एक्जीक्यूटिव राहुल दुहन, ट्विंकल मंगल, अर्पित तनेजा मौजूद थे।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 26.11.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5-6.....

'कृषि और संबंधित व्यवसाय की हर समस्या का समाधान है एबिक'

हिसार, 25 नवम्बर (ब्यूरो): कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनैस इंक्युबेशन केंद्र (एबिक) अहम् भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सैंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित 2 माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार के तहत किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि एबिक कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने एबिक द्वारा आयोजित किए जा रहे इस 2 माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालक एवं बिजनैस मैनेजर विक्रम सिंधु, सह-संचालक व सहायक मैनेजर शलेंद्र सिंह, एक्जीक्युटिव राहुल दुहन, ट्विंकल मंगल, अर्पित तनेजा, मनीषा मणि भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	**26.11.2020**	**04**	**01-02**

कृषि और इससे संबंधित व्यवसाय की हर समस्या का समाधान है एबिक : प्रो. सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) अहम भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक द्वारा ऑनलाइन एग्री स्टार्टअप के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे।

प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना रफ्तार के तहत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर ले जाते हुए रोजगार सर्जन का कार्य करेंगे। एबिक में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना रफ्तार के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर देश के युवाओं, किसानों

एग्री स्टार्टअप के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने शुरु किया ऑनलाइन प्रशिक्षण

और प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है।

महिलाएं भी ले रही हैं हिस्सा : एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि एबिक द्वारा प्रदेश व आसपास के राज्यों के युवाओं, किसानों व उद्यमियों से पहल व सफल कार्यक्रम के तहत आवेदन मांगे गए थे। इसके तहत 49 प्रतिभागियों का चयन किया गया था, जिसमें कुछ महिलाएं भी शामिल हैं। अब इन प्रतिभागियों को देशभर से विशेषज्ञ प्रशिक्षण देंगे, जिनमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, उद्योगपति शामिल होंगे। इस प्रशिक्षण के दौरान कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकेजिंग व ब्रांडिग करके व्यापार को आगे बढ़ाने की संभावनाओं आदि के बारे में बताया जाएगा। इस कार्यक्रम में मैनेजर विक्रम सिंधु, सहायक मैनेजर शैलेंद्र सिंह, एग्जीक्यूटिव राहुल दुहन, ट्विंकल मंगल, अर्पित तनेजा, मनीषा मणि भी मौजूद रहीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	**26.11.2020**	——	--

जागरूकता हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर में एग्री स्टार्टअप्स के लिए दो माह के प्रशिक्षण का शुभारंभ

कृषि व संबंधित व्यवसाय की हर समस्या का समाधान एबिक : प्रो. सिंह

- **देशभर से चयनित एग्री स्टार्टअप्स ले रहे हैं प्रशिक्षण, सीखेंगे व्यवसाय को आगे बढ़ाने के गुर**

हिसार (सच कहूँ/संदीप सिंहमार)। कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनेस इंक्युबेशन केंद्र (एबिक) अहम भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कही। प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार के तहत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नही है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर ले जाते हुए रोजगार सर्जन का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि एबिक कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने इनक्यूबेटी को मेहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने एबिक द्वारा आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम के लिए आयोजकों की सराहना की।

देशभर के मेंटर देंगे प्रशिक्षण, महिलाएं भी ले रही हैं हिस्सा

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए एबिक द्वारा आयोजित किए जा रहे इस दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में देशभर के चयनित इंक्यूबिटी व एग्री स्टार्टअप्स ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षण ले रहे हैं। एबिक केंद्र द्वारा गत दिनों प्रदेश व आसपास के राज्यों के युवाओं, किसानों व उद्यमियों से पहल व सफल कार्यक्रम के तहत आवेदन मांगे गए थे जिसके तहत कुल 49 प्रतिभागियों का एक प्रक्रिया के तहत चयन किया गया था, जिसमें करीब 20 प्रतिशत महिलाएं भी शामिल है। अब इन्हीं चयनित प्रतिभागियों को देशभर से मेंटर प्रशिक्षण देंगे जिनमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, उद्योगपति शामिल होंगे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालक एवं बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु, सह-संचालक व सहायक मैनेजर शलेंद्र सिंह, एक्जीक्युटीव राहुल ढुहन, टि्वंकल मंगल, अर्पित तनेजा, मनीषा मणि भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	**26.11.2020**	——	--

कृषि और संबंधित व्यवसाय की हर समस्या का समाधान है एबिक : प्रोफेसर समर सिंह

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनेस इंक्युबेशन केंद्र(एबिक) अहम् भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्ट अप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार के तहत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नही है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर ले जाते हुए रोजगार सर्जन का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि एबिक कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने इनक्यूबेटी को मेहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने एबिक द्वारा आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम के लिए आयोजकों की सराहना की। एबिक केंद्र में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार स्कीम के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एस.के. सहरावत ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह केंद्र माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रत्येक व्यक्ति के स्वाभिमान व आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय में स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर देश के युवाओं, किसानों और प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर में एग्री स्टार्टअप्स के लिए दो माह के प्रशिक्षण का शुभारंभ

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**25.11.2020**	——	--

हकृवि में स्थित एबिक सेंटर में एग्री स्टार्टअप्स के लिए दो माह के प्रशिक्षण का शुभारंभ

कृषि और संबंधित व्यवसाय की हर समस्या का समाधान है एबिक : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनेस इंक्युबेशन केंद्र(एबिक) अहम् भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार के तहत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नही है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर ले जाते हुए रोजगार सर्जन का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि एबिक कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने इनक्यूबेटी को मेहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने एबिक द्वारा आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम के लिए आयोजकों की सराहना की। एबिक केंद्र में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना- रफ्तार स्कीम के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एस.के. सहरावत ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह केंद्र माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रत्येक व्यक्ति के स्वाभिमान व आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय में स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर देश के युवाओं, किसानों और प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस प्रशिक्षण के दौरान कुछ ऐसी सफल स्टोरी भी बनें जो इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए दूसरों के सामने एक आदर्श स्थापित कर सकें।

देशभर के मेंटर देंगे प्रशिक्षण, महिलाएं भी ले रही हैं हिस्सा

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए एबिक द्वारा आयोजित किए जा रहे इस दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में देशभर के चयनित इंक्यूबिटी व एग्री स्टार्टअप्स ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षण ले रहे हैं। एबिक केंद्र द्वारा गत दिनों प्रदेश व आसपास के राज्यों के युवाओं, किसानों व उद्यमियों से पहल व सफल कार्यक्रम के तहत आवेदन मांगे गए थे जिसके तहत कुल 49 प्रतिभागियों का एक प्रक्रिया के तहत चयन किया गया था, जिसमें करीब 20 प्रतिशत महिलाएं भी शामिल हैं। अब इन्हीं चयनित प्रतिभागियों को देशभर से मेंटर प्रशिक्षण देंगे जिनमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, उद्योगपति शामिल होंगे। इस प्रशिक्षण के दौरान कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिग करके व्यापार को आगे बढ़ाने की संभावनाओं, युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारने के अलावा अपना व्यवसाय स्थापित करने में आने वाली प्रारंभिक दिक्कतों, इंफ्रास्ट्रक्चर, तकनीकी आवश्यकता, लाइसेंसिंग, फंडिंग, विपणन, कानूनी दिकत आदि को लेकर पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक बताया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालक एवं बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु, सह-संचालक व सहायक मैनेजर शलेंद्र सिंह, एक्जीक्युटीव राहुल दुहन, टिवंकल मंगल, अर्पित तनेजा, मनीषा मणि भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**25.11.2020**	——	--

कृषि और संबंधित व्यवसाय की हर समस्या का समाधान है एबिक : वीसी

हकृवि स्थित एबिक सेंटर में एग्री स्टार्टअप्स के लिए दो माह के प्रशिक्षण का शुभारंभ

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनेस इंक्युबेशन केंद्र(एबिक) अहम् भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक

सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार के तहत किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नही है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर ले जाते हुए रोजगार सर्जन का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि एबिक कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है।

देशभर के मेंटर देंगे प्रशिक्षण, महिलाएं भी ले रही हैं हिस्सा

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए एबिक द्वारा आयोजित किए जा रहे इस दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में देशभर के चयनित इंक्यूबिटी व एग्री स्टार्टअप्स ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षण ले रहे हैं। एबिक केंद्र द्वारा गत दिनों प्रदेश व आसपास के राज्यों के युवाओं, किसानों व उद्यमियों से पहल व सफल कार्यक्रम के तहत आवेदन मांगे गए थे जिसके तहत कुल 49 प्रतिभागियों का एक प्रक्रिया के तहत चयन किया गया था, जिसमें करीब 20 प्रतिशत महिलाएं भी शामिल हैं। अब इन्हीं चयनित प्रतिभागियों को देशभर से मेंटर प्रशिक्षण देंगे जिनमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, उद्योगपति शामिल होंगे। इस प्रशिक्षण के दौरान कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार को आगे बढ़ाने की संभावनाओं, युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारने के अलावा अपना व्यवसाय स्थापित करने में आने वाली प्रारंभिक दिक्कतों, इंफ्रास्ट्रक्चर, तकनीकी आवश्यकता, लाइसेंसिंग, फंडिंग, विपणन, कानूनी दिक्कत आदि को लेकर पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक बताया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालक एवं बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु, सह-संचालक व सहायक मैनेजर शलेंद्र सिंह, एक्जीक्युटीव राहुल दुहन, टिवंकल मंगल, अर्पित तनेजा, मनीषा मणि भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**25.11.2020**	——	--

हकृवि में स्थित एबिक सेंटर में एग्री स्टार्टअप्स के लिए दो माह के प्रशिक्षण का शुभारंभ

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनेस इंक्युबेशन केंद्र(एबिक) अहम भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर ले

जाते हुए रोजगार सर्जन का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि एबिक कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने एबिक द्वारा आयोजित किए जा रहे इस दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। केंद्र द्वारा गत दिनों प्रदेश व आसपास के राज्यों के युवाओं, किसानों व उद्यमियों से पहल व सफल कार्यक्रम के तहत आवेदन मांगे गए थे जिसके तहत कुल 49 प्रतिभागियों का एक प्रक्रिया के तहत चयन किया गया था, जिसमें करीब 20 प्रतिशत महिलाएं भी शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**25.11.2020**	——	--

कृषि और संबंधित व्यवसाय की हर समस्या का समाधान है एबिक : प्रोफेसर समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 25 नवम्बर : कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनेस इंक्युबेशन केंद्र (एबिक) अहम् भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थित एब्कि सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार के तहत किया जा रहा है। एबिक केंद्र में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार स्कीम के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एस.के. सहरावत ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह केंद्र माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रत्येक व्यक्ति के स्वाभिमान व आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय में स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर देश के युवाओं, किसानों और प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस प्रशिक्षण के दौरान कुछ ऐसी सफल स्टोरी भी बनें जो इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए दूसरों के सामने एक आदर्श स्थापित कर सकें। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि कुल 49 प्रतिभागियों का एक प्रक्रिया के तहत चयन किया गया था, जिसमें करीब 20 प्रतिशत महिलाएं भी शामिल हैं। अब इन्हीं चयनित प्रतिभागियों को देशभर से मेंटर प्रशिक्षण देंगे जिनमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, उद्योगपति शामिल होंगे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालक एवं बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु, सह-संचालक व सहायक मैनेजर शलेंद्र सिंह, एक्जीक्युटीव राहुल दुहन, ट्विंकल मंगल, अर्पित तनेजा, मनीषा मणि भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा वाटिका	**25.11.2020**	——	--

कृषि और संबंधित व्यवसाय की हर समस्या का समाधान है एबिक : प्रोफेसर समर सिंह

वाटिका@हिसार। कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनेस इंक्युबेशन केंद्र(एबिक) अहम भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार के तहत किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नही है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर ले जाते हुए रोजगार सर्जन का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि एबिक कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने इनक्यूबेटी को मेहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे

ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने एबिक द्वारा आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम के लिए आयोजकों की सराहना की। एबिक केंद्र में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना- रफ्तार स्कीम के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एस.के. सहरावत ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह केंद्र माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रत्येक व्यक्ति के स्वाभिमान व आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय में स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर देश के युवाओं, किसानों और प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस प्रशिक्षण के दौरान कुछ ऐसी सफल स्टोरी भी बनें जो इस क्षेत्र में आगे बढने के लिए दूसरों के सामने एक आदर्श स्थापित कर सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**25.11.2020**	——	--

किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं : कुलपति

हिसार/25 नवंबर/रिपोर्टर

कृषि और उससे जुड़े सहयोगी व्यवसाय की हर समस्या के समाधान में एग्री बिजनेस इंक्युबेशन केंद्र (एबिक) अहम् भूमिका निभा रहा है। यहां से जानकारी हासिल कर एग्री स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को ज्यादा बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से एग्री स्टार्टअप्स के लिए आयोजित दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ पर प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार के तहत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर ले जाते हुए रोजगार सर्जन का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि एबिक कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने इनक्यूबेटी को मेहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। एबिक केंद्र में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार स्कीम के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एसके सहरावत ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह केंद्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रत्येक व्यक्ति के स्वाभिमान व आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय में स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर देश के युवाओं, किसानों और प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस प्रशिक्षण के दौरान कुछ ऐसी सफल स्टोरी भी बनें जो इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए दूसरों के सामने एक आदर्श स्थापित कर सकें। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने इस दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। इस प्रशिक्षण के दौरान कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिग करके व्यापार को आगे बढ़ाने की संभावनाओं, युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारने के अलावा अपना व्यवसाय स्थापित करने में आने वाली प्रारंभिक दिक्कतों, इंफ्रास्ट्रक्चर, तकनीकी आवश्यकता, लाइसेंसिंग, फंडिंग, विपणन, कानूनी दिक्कत आदि को लेकर पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक बताया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालक एवं बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु, सह-संचालक व सहायक मैनेजर शलेंद्र सिंह, एक्जीक्युटीव राहुल दुहन, ट्विंकल मंगल, अर्पित तनेजा, मनीषा मणि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक भास्कर .....

दिनांक 26.11.2020 पृष्ठ संख्या..... 4 .....कॉलम..... 4-8 .....

परामर्श • वैज्ञानिकों ने किसानों को उन्नत किस्मों के बारे में ध्यान देने की दी सलाह

हरियाणा जई 8, एचएफओ 114 की बुवाई कर प्रति एकड़ 220 से 240 क्विंटल पैदावार पाएं किसान

▪ नवंबर और दिसंबर माह के पहले सप्ताह में की जा सकती है जई की बुवाई

महबूब अली | हिसार

जई रबी मौसम की महत्वपूर्ण चारे की फसल है। इसकी खेती सिंचित व कम सिंचाई वाले क्षेत्रों में सफलता पूर्वक की जा सकती है। इसका हरा चारा बहुत ही स्वादिष्ट, पौष्टिक व पाचनशील होता है। इसके हरे चारे में 8-10 प्रतिशत प्रोटीन, 18-23% शुष्क पदार्थ व 60-65% पाचनशीलता होती है। जई की हरियाणा जई 8, एचएफओ 114 की बुवाई कर प्रति एकड़ 220 से लेकर 240 क्विंटल तक की पैदावार ली जा सकती है। एचएयू के वैज्ञानिक भी किसानों को जई की उन्नत किस्म के बारे में जानकारी दे रहे हैं। सर्दियों में इसके हरे चारे को बरसीम या गेहूं के भूसे के साथ मिलाकर पशुओं को खिलाया जाता है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि जई की उन्नत किस्मों के बारे में प्रदेश के किसानों को जागरूक किया जा रहा है।

जानिए... जई के लिए कौन सी मिट्टी होती है उपयुक्त, कौन सी किस्म की करें बुवाई

विवि के चारा अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. सतपाल ने बताया कि इसकी सफल खेती के लिए रेतीली-दोमट भूमि सबसे उपयुक्त होती है। यह लूणी व सेम वाली भूमियों में नहीं उगाई जा सकती। उन्होंने बताया कि जई की ओ.एस. 6 व ओ.एस. 7 उन्नत किस्में समस्त हरियाणा के जई उगाने वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त हैं। ये शीघ्र व सीधी बढ़ने वाली किस्में हैं। इनके पत्ते चौड़े व बालियां निकलने के समय ऊपर का पत्ता सीधा खड़ा होता है। इनकी हरे चारे की पैदावार 200-220 क्विंटल प्रति एकड़ है। जई की ओ.एस. 403 किस्म समय पर बोई जाने वाली, सामान्य उर्वरता वाली मृदा और सिंचाई वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त हैं। इसके हरे चारे की पैदावार 180-200 क्विंटल प्रति एकड़ है।

एचएयू में उगाई गई फसल। (फोटो फाइल)

किस्में : एचएयू के वैज्ञानिकों के अनुसार एच.एफ.ओ. 114 सीधी बढ़ने वाली व पूरे हरियाणा के लिए उपयुक्त है। यह कटाई के बाद जल्दी-जल्दी बढ़ती है। इसके दाने मोटे होते हैं व हरे चारे की पैदावार 220-240 क्विंटल प्रति एकड़ है। इसी प्रकार हरियाणा जई 8 किस्म के हरे चारे की पैदावार लगभग 240-260 क्विंटल प्रति एकड़ है।

बिजाई : हल्के बीज़ों वाली किस्मों (ओ.एस. 6, ओ.एस. 7 व एच.जे. 8) का 30 किग्रा. एवं मोटे बीजों वाली किस्मों (एच. एफ.ओ. 114) का बीज 40 किग्रा. प्रति एकड़ प्रयोग करें। जई की बिजाई 22-25 सेमी. चौड़ी लाइनों में उचित नमी की अवस्था में केरा विधि से व कम नमी वाली भूमि मे पोरा विधि द्वारा करनी चाहिए।

बुवाई के बाद : जई की फसल में 16 किग्रा. नाइट्रोजन (35 किलोग्राम यूरिया) व 12 किग्रा. फास्फोरस (75 किलोग्राम सुपर फास्फेट) प्रति एकड़ के हिसाब से बिजाई के समय देनी चाहिए। इसके अलावा 16 किग्रा. नाइट्रोजन पहली सिंचाई के तुरन्त बाद देनी चाहिए। अधिक कटाई वाली फसल में पहली कटाई के बाद 16 किग्रा. नाइट्रोजन की अतिरिक्त मात्रा डालनी चाहिए।

खरपतवारों की रोकथाम

जई में निराई-गुड़ाई की विशेष जरूरत नहीं होती किन्तु खेत में उगने वाले खरपतवारों जैसे जंगली जई, बाथु व खरबाथु आदि की रोकथाम के लिए सिंचाई के बाद आवश्यक हो तो कर देनी चाहिए। एक कटाई देने वाली किस्मों की कटाई 50 प्रतिशत बालियां आने पर करनी चाहिए।